मुख्यमंत्री भजनलाल ने जालौर व राजसमंद में ''वंदे गंगा'' अभियान में भाग लिया

उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रकृति को सहेजने के साथ संस्कृति को सम्मान देने के लिए है

जालौर/राजसमंद, 18 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालौर के सीलू घाट पर राजसमंद में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' को लेकर जनसभा को संबोधित किया। ज्ञात रहे कि गत 5 जून को पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरे के शुभ संयोग पर प्रारंभ हुए इस अभियान से प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 10 लाख लोग जुड़ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत सीलू घाट पर नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन किए तथा मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की वाटिका में पीपल का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ''हमारी संस्कृति में नदी, पहाड़ एवं प्रकृति को पूजा जाता है तथा 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान प्रकृति को सहेजने के साथ ही, संस्कृति को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने आव्हान किया कि सभी लोग जल संचयन एवं पौधरोपण का संकल्प लेकर प्रदेश को ''हरियालो राजस्थान'' बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के अन्तर्गत अब तक 20 हजार से अधिक जल स्त्रोतों के साथ ही, लगभग 17 हजार कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों की साफ-सफाई की गई। इस अभियान में 7 हजार पूर्ण कार्यों का अवलोकन-लोकार्पण हुआ और 2 हजार 200 नए कार्यों का शुभारंभ भी किया गया है। जल संरक्षण गतिविधियों के अन्तर्गत लगभग 33 हजार स्थानों पर श्रमदान के कार्यक्रम किए गये हैं। यह अभियान 20 जून तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आगामी समय में जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रेरणा स्त्रोत के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जालौर के सीलू घाट पर मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की और ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि ''वंदे गंगा'' अभियान के तहत अब तक 20 हजार जल स्त्रोतों व 17 हजार कार्यालयों, अस्पतालों व विद्यालयों में सफाई की गई। जल संरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत 33 हजार स्थानों पर श्रमदान के कार्यक्रम किये गये।**

राजसमंद में ''वंदे गंगा जल संरक्षण-जल अभियान'' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा पर हम जल एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य को लेकर एकत्र हुए हैं। आज ही के दिन 18 जून, 1576 को हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा गया, यह केवल एक युद्ध नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक था।

मुख्यमंत्री ने राजसमंद जिला प्रशासन द्वारा वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत किए गए कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी, सुरेन्द्र सिंह राठौड, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

आज का दिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी साफ किया कि पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमेरिका के लिये यह कहा जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ अपनी कार्यवाही के संदर्भ में पाकिस्तान से संवाद कर रहे हैं, क्योंकि ईरान के साथ पाकिस्तान की लम्बी सीमा मिलती है। इससे संकेत मिलता है कि अगर अमेरिका को ईरान के साथ जमीनी युद्ध में उलझना पड़ा, तो पाकिस्तान के सैन्य अड्डों का उपयोग कर ईरान में सैन्य कार्यवाही करना अमेरिकी सेना के लिए आसान होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान में इज़रायल के अभियानों को लेकर हस्तक्षेप किया है। उन्होंने अपनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट करते हुये ईरान से कह दिया है कि वह ''बिना शर्त'' आत्मसमपर्ण कर दे। यह सुनिश्चित है कि इस प्रकार की मांग को ईरानी शासन स्वीकार नहीं करेगा और इसे नकार दिया जाएगा। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला ख़ामनेई ने यह संकेत दिया है कि ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा और वह अंत तक लड़ेगा। यह स्थिति अमेरिका को एक अनिश्चित और महंगे संघर्ष में खींच सकती है। कुछ लोगों का मानना है कि अमेरिका ईरान में शासन परिवर्तन की दिशा में सोच रहा है।

22 मुस्लिम बाहुल्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। उन्होंने सभी मध्य पूर्वी देशों से परमाणु अप्रसार संधि में शामिल होने का आव्हान किया। यह इज़रायल की ओर एक परोक्ष, लेकिन स्पष्ट संकेत था, जिसने कभी इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए और जिसे व्यापक रूप से परमाणु हथियारों का बड़ा भंडार रखने वाला माना जाता है। इस संघर्ष को लेकर वैश्विक नेताओं की तरफ से कड़ी प्रतिक्रियाएँ आई हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने तेहरान पर अपने कठोर रुख को दोहराते हुए ट्रूथ सोशल पर लिखा, ''ईरान को वह 'समझौता' साइन कर लेना चाहिए था, जो मैंने कहा था। कितना शर्मनाक और मानव जीवन की बर्बादी।'' इसके बाद उन्होंने तेहरान के नेताओं को चेतावनी दी और तेहरान में रह रहे लोगों को तुरंत देश से बाहर निकलने'' की सलाह दी। कहा जा रहा है कि यह अमेरिकी हस्तक्षेप में संभावित बढ़ोतरी का संकेत है।

इज़रायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने, तमरा में एक मिसाइल हमले में चार नागरिकों की मौत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''मिसाइल धर्म नहीं देखती। यह यहूदियों और अरब लोगों, दोनों को नुकसान पहुँचाती है। वो हम सब को नष्ट करने आए हैं, और हम इस लड़ाई में एकजुट खड़े हैं।'' बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद, युद्धविराम की कोई स्पष्ट संभावना नहीं दिख रही है। खबरों के अनुसार, अमेरिका क्षेत्र में अपने सैन्य संसाधनों को बढ़ा रहा है, इस आशंका में कि उसे हस्तक्षेप करना पड़ सकता है या अनायास ही उसे संघर्ष में खींचा जा सकता है। इस संकट ने अमेरिका और अन्य देशों में यह बहस फिर से छेड़ दी है कि अनियंत्रित सैन्यकरण और परमाणु प्रसार को रोकने में कूटनीति की विफलता का क्या परिणाम हो सकता है। पूरी दुनिया चिंतित निगाहों से देख रही है और मध्य पूर्व एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा है, या तो पूर्ण युद्ध की ओर, या एक बहुप्रतीक्षित संवाद की वापसी की ओर।

पनडुब्बी रोधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में उभरा है।

पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया आईएनएस अर्नाला निगरानी, खोज और बचाव मिशन तथा छोटे समुद्री अभियानों में सक्षम है।

प्रदेश में सात दिन पहले मानसून का प्रवेश

जयपुर, 18 जून। राजस्थान में मानसून बुधवार को प्रवेश कर गया और इस बार यह सामान्य से सात दिन पहले आया है।

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम ने बताया कि राज्य में मानसून सामान्य से सात दिन पहले राज्य के कुछ भागों में पहुंच गया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा राज्य के बाड़मेर, जोधपुर तथा जयपुर से होकर गुजर रही है और आगामी दो-तीन दिनों में राज्य के कुछ और भागों में मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि गुजरात के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज राजस्थान के मध्य एवं उत्तरी क्षेत्रों के ऊपर अवस्थित है। बंगलादेश पर बना कम दबाव का क्षेत्र तीव्र होकर सुस्पष्ट कम दाब बन गया है तथा पश्चिमी बंगाल के ऊपर अवस्थित है। इसके आगामी दो-तीन दिनों में धीरे धीरे उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। मेघगर्जन, बिजली चमकने के साथ, राज्य के कुछ भागों में आगामी दिनों में

- **वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा बाड़मेर, जोधपुर व जयपुर से होकर गुजर रही है।**

बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है और 18 से 20 जून के दौरान उदयपुर एवं कोटा संभाग में कहीं कहीं भारी एवं कहीं कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। जयपुर, अजमेर एवं भरतपुर संभाग में भी में कहीं कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 21 से 23 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में और बढ़ोतरी होने एवं पुन: कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी एवं अतिभारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मानसून अभी 10-15 दिन तक सक्रिय रहेगा और इसके प्रदेश में करीब साढ़े तीन महीने तक प्रभावी रहने के बाद, सितंबर के अन्त में लौटने का अनुमान है।

राधेश्याम ने कहा कि मानसून के समय से पहले आने का किसानों सहित सभी को फायदा पहुंचेगा। किसान अपनी खरीफ की फसल की समय पर तथा ज्यादा क्षेत्र में बुवाई कर सकेंगे।

प्र.मंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। मोदी ने कहा कि 6-7 मई की रात को भारत ने केवल आतंकवादी ठिकानों और पाकिस्तान व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उनके छिपने के स्थानों को निशाना बनाया। यह कार्रवाई पूरी तरह सटीक, सीमित और गैर-आक्रामक थी। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर पाकिस्तान की ओर से कोई कोई आक्रामक कदम उठाया गया, तो भारत और भी सख्त प्रतिक्रिया देगा।

मिसरी ने बताया कि 9 मई की रात को अमेरिका के उपराष्ट्रपति वैंस ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था और बताया था कि पाकिस्तान भारत पर बड़ा हमला कर सकता है। मोदी ने उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि अगर ऐसा कुछ होता है, तो भारत और भी सख्त कार्रवाई करेगा।

9-10 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान के हमले का कड़ा और निर्णायक जवाब दिया, जिससे पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान पहुँचा। पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस काम करने लायक नहीं रहे। भारत की सख्त कार्रवाई के कारण पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध करना पड़ा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ-साफ बताया कि इस पूरी प्रक्रिया के दौरान न तो किसी स्तर पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कोई चर्चा हुई और न ही अमेरिका द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का कोई प्रस्ताव आया।

सैन्य कार्रवाई रोकने पर चर्चा भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद सैन्य संवाद चैनलों के जरिए हुई और यह पाकिस्तान की पहल पर शुरु हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत करे कभी भी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं है और न स्वीकार होगी। भारत में इस पर पूर्ण राजनैतिक सहमति है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी की बातों को ध्यान से सुना और भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का समर्थन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को ''प्रॉक्सी वॉर'' नहीं, बल्कि सीधा युद्ध मानता है और ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री मोदी कैनडा से भारत लौटते समय अमेरिका में रुक सकते हैं। लेकिन पहले से तय कार्यक्रमों के चलते मोदी ने असमर्थता जताई। दोनों नेताओं ने निकट भविष्य में मिलने का प्रयास करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच इज़रायल-ईरान संघर्ष को लेकर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर यह सहमति जताई कि शांति के लिए दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत आवश्यक है, और इस दिशा में प्रयास जारी रहने चाहिए।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को लेकर भी दोनों नेताओं ने अपने दृष्टिकोण साझा किए और क्वाड की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को अगले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे ट्रंप ने स्वीकार कर लिया और भारत दौरे की उम्मीद जताई।

निजी वाहनों के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

200 यात्राओं तक,जो भी पहले हो,वैध रहेगा। यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। उन्होंने कहा कि पास के नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप और राष्ट्रीय राजमार्ग की वेबसाइट पर इसके लिए एक अलग लिंक उपलब्ध कराया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री सुखाड़िया के परिवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे। नीलिमा ने बताया, उन्हें कहा जा रहा है कि अगर उन्होंने प्लॉट नहीं छोड़ा तो वे जान से हाथ धो बैठेंगी।

नीलिमा सुखाड़िया ने अरूण सुखाड़िया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और उनकी जमीन पर अवैध रूप से दखलंदाजी नहीं करने को पांबद करने के लिए उदयपुर एसपी से गुहार लगाई है। इधर, इस मामले में अरूण सुखाड़िया के पुत्र दीपक सुखाड़िया ने कहा कि उन्हें (नीलिमा सुखाड़िया) जो करना था, कर लिया, पिता अरूण सुखाड़िया के खिलाफ रिपोर्ट दी है, पिताजी खुद 75 वर्ष के हैं, ये आरोप निराधार हैं, वे ऐसे आरोपों पर कोई कमेंट नहीं करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, हमारे पक्ष की रिपोर्ट हमने एसपी के समक्ष व थाने में पेश कर दी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908